ACCREDITED WITH GRADE
B
NAAC
शैक्षणिक भ्रमण
अमरकंटक टूर
दिनॉक 21-10-2023
अमरकंटक, जिला - अनूपपुर, राज्य - मध्य प्रदेश

शास्कीय रामानुज प्रताप सिंहदेव महाविद्यालय बैकुण्ठपुर, जिला - कोरिया से प्रारंभ हुआ।

सर्वप्रथम सभी सहपाठी हमारे महाविद्यालय मे एकत्र हुए और गाडियों मे सभी सहपाठी और समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष - डॉ. जे. आर. कंवर सर और भुगोल विभाग कि विभागाध्यक्ष श्रीमति शीखा मंडल मैम उपस्थित हुई तत्पश्चात हम अपने गाडियों मे बैठकर अमरकंटक की ओर प्रस्थान हुए।

जब हम अमरकंटक की यात्रा पर निकलेंगे तो रास्ते के बीच में आपको घने हरे पेड़ दिखेंगे। पहाड़ों के बीच सफर करते वक्त जब ठंडी हवाएं आपके चेहरे को छूकर गुजरेंगी तो उसका एहसास ही अलग होगा।

अमरकंटक मंदिर हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थान है। अमरकंटक पठार एक खूबसूरत और देखने लायक पर्यटन स्थल है जहां हर साल लाखों लोग आते हैं।

जब हम अमरकंटक की यात्रा पर निकलेंगे तो रास्ते के बीच में आपको घने हरे पेड़ दिखेंगे। लगभग 4 घंटो के लम्बे समय तथा 150 कि.मी. यात्रा करने के पश्चात हम स्थान तक करीब पहुच गये। अमरकंटक मंदिर हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थान है। अमरकंटक पठार एक खूबसूरत और देखने लायक पर्यटन स्थल है जहां हर साल लाखों लोग आते हैं।

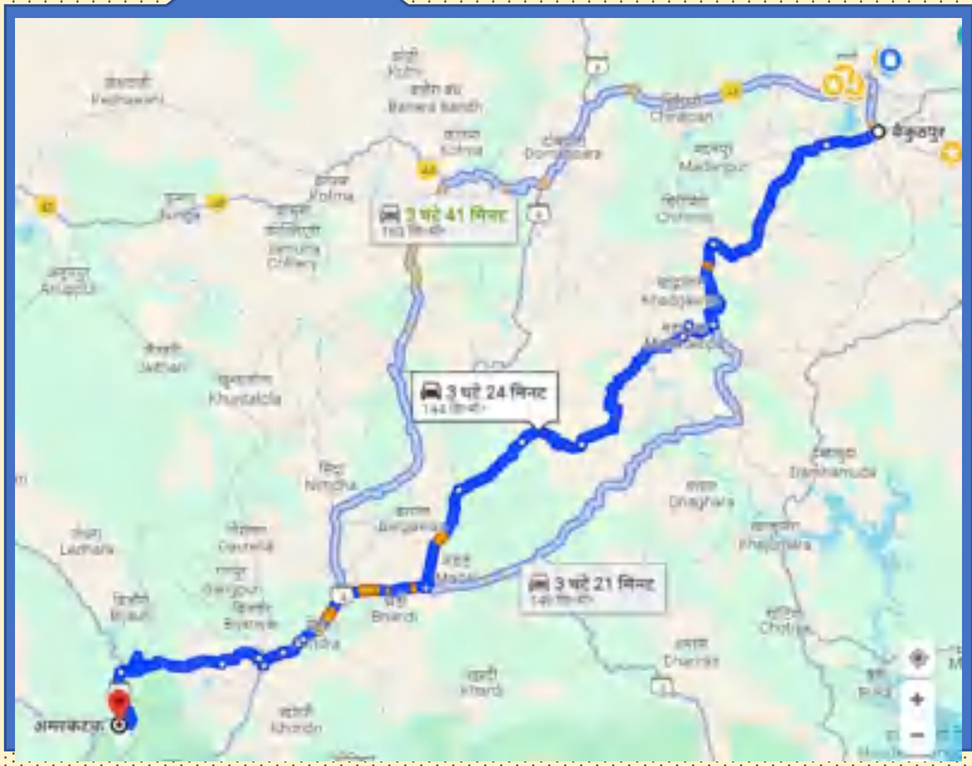

अमरकंटक के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल:

- नर्मदा नदी
- नर्मदा कुंड
- दूध धारा
- कपिलधारा
- माँई की बगिया
- कबीर चबूतरा
- सर्वोदय जैन मंदिर
- श्री जलेश्वर महादेव मंदिर
- कलचुरी काल के मंदिर
- धुन पानी

अमरकंटक मुख्य रूप से अपने धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। पर्यटक आकर्षण के विभिन्न स्थानों निम्नानुसार हैं:

- नर्मदा मंदिर (मंदिरों का समूह): नरमदेश्वर मंदिर में नर्मदा नदी के स्रोत पर बने एक पवित्र कुंड अमर मंदिरों में सबसे महत्वपूर्ण मंदिर है। नर्मदा मंदिर के परिसर में लगभग 20 छोटे मंदिर हैं, जिनमें से हर एक अपने तरीके से महत्वपूर्ण है। वहां सती मंदिर है, जो पार्वती को समर्पित है। एएसआई की संरक्षित साइट मुख्य नर्मदा मंदिर के नजदीक है।
- माई का बागिया :एक किलोमीटर के बारे में मुख्य मंदिर से, एक उद्यान है, जो एक घने वन क्षेत्र में स्थित है। यह लोकप्रिय माना जाता है कि नर्मदा देवी इस बगीचे में फूलों को फेंकते थे।
- सोनमुडा : सोने नदी की उत्पत्ति का मुद्दा यह एक सूर्योदय बिंदु भी है
- भृगमांदल : यह करीब 3 किलोमीटर है एक मुश्किल वन ट्रेक मार्ग पर अमरकंटक से यह माना जाता है कि भृगु ऋषि यहां ध्यान लगाते हैं। इस मार्ग पर परस्विनायक और चंडी गुफाएं हैं
- कबीर चबुतरा :संत कबीर ने ध्यान में समय बिताया।
- ज्वेलेश्वर महादेव : जोहिला नदी की उत्पत्ति ज्वेलेश्वर महादेव के जंगल में गहरा मंदिर है। इस मंदिर के करीब एक 'सूर्यास्त बिंदु' है|

अमरकंटक मुख्य रूप से अपने धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। पर्यटक आकर्षण के विभिन्न स्थानों निम्नानुसार हैं:

- कपिलधारा : नर्मदा नदी की उत्पत्ति से 8 किलोमीटर की दूरी पर, नदी 100 फीट की ऊंचाई से गिरती है जो कि कपिलधारा के रूप में जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि कपिल ऋषि यहां ध्यान लगाते हैं।
- दुधधारा : कपिलधारा से 1 किलोमीटर की दूरी पर दुधधारा नामक नर्मदा नदी पर एक और सुंदर झरना है।
- शंभुधारा और दुर्गधारा : दो अन्य अत्यंत सुंदर झरने जंगल में गहरे स्थित हैं। किसी को कुछ किलोमीटर दूर चलना पड़ता है इन लुभावनी झरने को देखने के लिए|
- सर्वोदय जैन मंदिर : यह मंदिर निर्माणाधीन है। यह एक निर्माण चमत्कार माना जाता है। इस मंदिर में सीमेंट और लोहे का इस्तेमाल नहीं किया गया है और मंदिर में रखा जाने वाला मूर्ति 24 घंटे के आसपास है।
- इन नियमित रूप से दौरा किए गए स्थलों के अलावा, अमरकंटक से 3 किमी के दायरे में से सभी सड़कों पर उत्कृष्ट ट्रैकिंग मार्ग हैं जहां पर एक लुभावनी अछूते रूप में प्रकृति की सुंदरता देख सकते हैं।

श्री ज्वालेश्वर मंदिर

अमरकंटक प्रवेश करने के पुर्व सर्वप्रथम श्री ज्वालेश्वर मंदिर मे भगवान शिव जी के विशाल शिवलिंग के दर्शन किये और पुजा अर्चना किए।

यहीं से अमरकंटक की तीसरी नदी जोहिला की उत्पत्ति हुई है। यहां भगवन शिव का सुन्दर मन्दिर है। माना जाता है कि यहाँ स्थित शिवलिंग स्वयं भगवान शिव ने स्थापित किया था। पुराणों में इस स्थान को महारुद्र मेरु भी कहा गया है। यहां भगवन शिव ने माता पार्वती के साथ निवास किया था।

आम्रकूट से नाम पड़ा अमरकंटक

अमरकंटक के नाम को लेकर कई धार्मिक ग्रंथों में यह प्रमाण मिलते हैं कि पूर्व में इसका नाम आम्रकूट था। यहां आम के पेड़ अधिक संख्या में पाए जाते थे। इसी को देखते हुए इस नाम का संबोधन ऋषि मुनियों ने किया होगा। महर्षि कालिदास रचित धार्मिक ग्रंथ रघुवंशम एवं मेघदूतम में इस नगर को आम्रकूट कहा गया है। मेघदूतम में इस क्षेत्र में काफी अधिक आम के बगीचों का उल्लेख किया गया है। मार्कंडेय पुराण में इसे अमरकंठ कहा गया है। जिसके आधार पर आम्रकूट से यह अमरकंटक के रूप में जाना जाता है।

पवित्र नगरी अमरकंटक जो नर्मदा ,सोन एवं जोहिला नदी का उद्गम स्थल है। इस पवित्र नगर का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है,

नर्मदा नदी का उद्गम स्थल

नर्मदा का उद्गम यहां के एक कुंड से और सोनभद्रा के पर्वत शिखर से हुआ है। यह मेकल पर्वत से निकलती है, इसलिए इसे मेकलसुता भी कहा जाता है। साथ ही इसे 'माँ रेवा' के नाम से भी जाना जाता है। प्रमुख सात नदियों में से नर्मदा नदी और सोनभद्रा नदियों का उद्गम स्थल अमरकंटक है। यह आदिकाल से ही ऋषि–मुनियों की तपो भूमि रही है। नर्मदा नदी यहां पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है। इस नदी को "मध्यप्रदेश और गुजरात की जीवनदायनी नदी" भी कहा जाता है यह जलोढ़ मिट्टी के उपजाऊ मैदानों से होकर बहती है, जिसे नर्मदा घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह घाटी लगभग 320 किमी. में फैली हुई है।

कहा जाता है कि पहले उद्गम कुंड चारों ओर बांस से घिरा हुआ था। बाद में यहाँ 1939 में रीवा के महाराज गुलाब सिंह ने पक्के कुंड का निर्माण करवाया। परिसर के अंदर माँ नर्मदा की एक छोटी सी धारा कुंड है जो दूसरे कुंड में जाती है, लेकिन दिखाई नहीं देती। कुंड के चारों ओर लगभग 24 मंदिर है। जिनमें नर्मदा मंदिर, शिव मंदिर, कार्तिकेय मंदिर, श्री राम जानकी मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, दुर्गा मंदिर, श्री सूर्यनारायण मंदिर, श्री राधा कृष्णा मंदिर, शिव परिवार, ग्यारह रुद्र मंदिर आदि प्रमुख है।

अमरकंटक विंध्य और सतपुड़ा पहाड़ियों की पर्वत श्रृंखला में स्थित एक छोटा सा गाँव है, जहाँ से नर्मदा नदी पहाड़ी से निकलती है |जिसे गाय के मुँह के आकार का बनाया गया है। ऐसा कहा जाता है कि यह मैकल, व्यास और ब्रिघू आदि ऋषि जैसे महान संतों के लिए ध्यान का स्थान था।

नर्मदा मंदिर के निर्माण के बारे में कोई ठोस सबूत नहीं है। ऐतिहासिक प्रमाणों से पता चलता है कि यह कलचुरी द्वारा बारहवीं शताब्दी के आसपास बनाया गया था। नर्मदा उद्गम कुंड (नर्मदा का जन्म स्थान) रीवा नायक द्वारा बनाया गया था (उनकी मूर्ति सुराग देती है)। वर्षों बाद, नागपुर के राजा भोंसले ने नर्मदा मंदिर को आकार दिया, बाद में महारानी देवी अहिल्या ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिरों और देवी देवताओं की मूर्तियों के साथ मंदिरों का एक बड़ा परिसर मंदिर के चारों ओर बनाया गया है। एक हाथी और एक घोड़े की मूर्ति यहाँ पर रखी गयी है, जिस पर लखन और ऊदल की मूर्तियाँ रखी गई हैं, ऐसा मन जाता है की यह औरंगजेब के काल में क्षतिग्रस्त हुई थी।

अमरकंटक का इतिहास

अमरकंटक छह् हजार वर्ष पुराना है, जब सूर्यवंशी सम्राट मांधाता ने मांधाता की स्थापना की थी। अमरकंटक में कई मंदिर हैं जो विभिन्न शासकों के काल का वर्णन करते हैं। अमरकंटक की सुंदरता के लिए यह खूबसूरत जगह घुमावदार पहाड़ियों के साथ पूर्ण शांति में डूबी हुई है। पूरा गांव सुखद जलवायु, मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता और झरनों के बीच स्थित है। सर्दियों के मौसम में, अमरकंटक अपनी पूर्ण खिली हुई प्रकृति का आनंद ले सकता है। यहां आगंतुकों के लिए झरनों, तालाबों और जंगलों से लेकर अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है।

श्रीयंत्र महामेरू मंदिर

यह घने जंगलों से घिरा हुआ है। मंदिर का निर्माण सुकदेवानंद जी महराज द्वारा कराया गया। इस मंदिर की आकृति श्रीयन्त्र जैसी है इसका निर्माण भी विशेष मुहूर्त में किया गया। श्रीयंत्र महामेरु मंदिर के ऊंचाई 52 फुट है।

कपिल धारा जलप्रपात

यह पवित्र नर्मदा उद्गम कुंड से उत्तर-पश्चिम दिशा में 6 किलोमीटर दूर है | इस जलप्रपात में पवित्र नर्मदा जल 100 फीट की ऊंचाई से मेकल पर्वत की पहडियों से नीचे गिरता है |

कपिल धारा के पास ही कपिल मुनि का आश्रम है | कहा जाता है कि कपिल मुनि ने यहीं कठोर तप किया था और यहीं सांख्य दर्शन कि रचना की थी | उन्ही के नाम पर इस जलप्रपात का नाम कपिल धारा पड़ा | कपिल धारा के पास की गुफाओं में आज भी बाबा-बैरागी तप करते हैं |

दुधधारा जलप्रपात

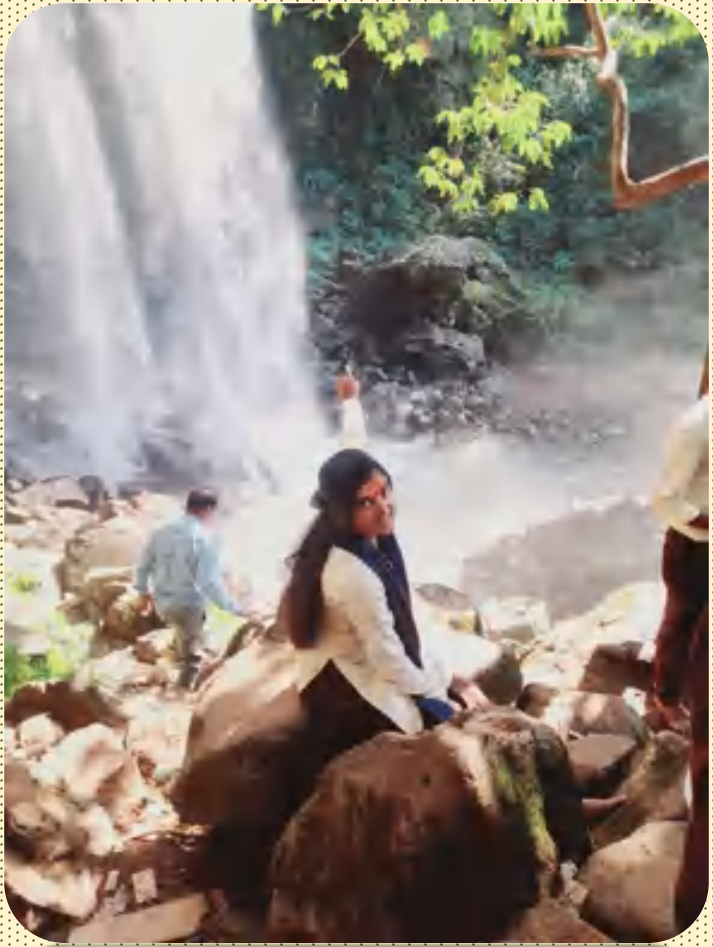

कपिल धारा से थोडा नीचे जाने पर दूध-धारा जलप्रपात है | दूध-धारा में पवित्र नर्मदा जल दूध के समान सफ़ेद दिखाई देता है | यह स्थान परम रमणीय है और प्राकृतिक सोंदर्य से भरपूर है |इसके आस पास के क्षेत्र में जड़ी-बूटियां प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं

सोनमुडा अमरकंटक

यह स्थान सोन नदी का उद्गम स्थल है। इससे थोड़ी ही दूर पर भद्र का भी उद्गम स्थल है। दोनों आगे जाकर एक दूसरे से मिल जाती हैं, इसलिए इन्हें 'सोन–भद्र' भी कहा जाता है। सोन को ब्रह्माजी का मानस पुत्र भी कहा जाता है। यह नर्मदा नदी के उद्गम स्थल से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सोन–भद्र 100 फ़ीट की पहाड़ी से झरने की तरह गिरती है। ऐसा माना जाता है कि सोनभद्र जलप्रपात से गिरने के बाद, यह धरती के अंदर ही अंदर 60 किलोमीटर दूर "सोनबचरबार" नामक स्थान पर दोबारा प्रकट होती है और आगे जाकर गंगा में मिल जाती है।

श्री राम कन्दमुल

भगवान श्री राम के प्रति हम सबके मन में अपार स्नेह और सम्मान है। 14 साल का उनका वनवास हम सबके लिए प्रेरणादायक है। वनवास के दौरान श्री राम जी ने अपनी पत्नी सीता और भाई लक्षण जी के साथ काफी कष्टों में जीवन बिताया था। कहा जाता है कि उन्होंने 14 सालों तक कंदमूल (Kand Mool Fruit) नामक फल खाकर बिताया था। दरअसल, माना जाता है कि कंदमूल खाने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। फल कंदमूल को हम राम कंदमूल (Ram Kand Mool) के नाम से भी जानते हैं। आज भी इस फल का खास महत्व है और इसे भगवान राम के साथ जोड़कर ही देखा जाता है।

बाजार

मुख्य बाजार मे फ्रेमिंग फोटो, स्मृति चिन्ह, हस्तशिल्प आदि जैसी वस्तुएं मंदिर परिसर में हैं। जो कायाकल्प चाहने वाले पर्यटकों के लिए हर्बल दवाएं और सौंदर्य उत्पाद बेचती हैं। यहां के वनो से लाये गये दुर्लभ पौधों और पेड के छाल पत्तियो से बने औषधियाँ बेची जाती हैं। जो दैनिक जीवन मे बहोत उपयोगी है

समाजशास्त्र विभाग
शैक्षणिक भ्रमण – अमरकंटक
दिनांक - 21.10.2023

बाबा कल्याण दास जी

कल्याण सेवा आश्रम

अमरकंटक में निवास (बाबा कल्याण दास आश्रम) वाले तपस्वी बाबा कल्याण दास जी महाराज लगभग 80 वर्षीय है। मूलत: अल्मोड़ा जिला उत्तराखंड से ताल्लुक रखने वाले बाबा तपस्वी जब बाल्यावस्था में थे, जब उनके मन में बैराग जीवन की भावना जागी। मात्र 8 साल की उम्र में ही घर-द्वार छोडक़र गुरू की खोज में चल पड़े।

सन 1978 में अक्षय तृतीया के दिन बाबा कल्याण दास जी ने "कल्याण सेवा आश्रम" की नींव रखी. कल्याण सेवा आश्रम ट्रस्ट ने सन 1981 से औपचारिक रूप से कार्य करना प्रारंभ किया. 15 मई सन 1985- बैसाख पूर्णिमा के दिन "आचार्य पीठ" की स्थापना की गयी, श्री मार्तंड सिंह जूदेव महाराजा रीवा के मुख्य आतिथ्य में आश्रम में माँ नर्मदा की पावन प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गयी. इस अवसर को समस्त भारत के संतो का सानिध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ.

जैन मंदिर

श्री सर्वोदय जैन मंदिर अमरकंटक

श्री सर्वोदय दिगम्बर जैन मंदिर में प्रथम तीर्थंकर परम आराध्य 1008 भगवान आदिनाथ की अद्भुत, सुन्दर, विशाल, विश्व में सर्वाधिक वजनी 24 टन अष्टधातु की प्रतिमा स्थापित है। (कुल वजन 52 टन) 28 टन अष्टधातु की प्रतिमा स्थापित है। यह मंदिर देश-दुनिया में स्वर्णिम है। इस प्रतिमा की स्थापना ज्ञानवारिधि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महामुनिराज एवं ससंघ द्वारा 6 नवम्बर 2006 गुरूवार के शुभ मुहूर्त में 44 निर्गंथ मुनियों की उपस्थिति में की गई। मंदिर का निर्माण कार्य चूने और संरक्षित पत्थरों का उपयोग करके भव्य कलाकृतियाँ बनाने का काम किया जा रहा है। इस मंदिर के निर्माण में लोहे, सीमेंट का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया जा रहा है।

निष्कर्ष

अमरकंटक मंदिर हिंदुओं के लिए एक पवित्र स्थान है। अमरकंटक पठार एक खूबसूरत और देखने लायक पर्यटन स्थल है जहां हर साल लाखों लोग आते हैं। अमरकंटक की यात्रा का सबसे अच्छा समय सर्दियों के दौरान है क्योंकि साल के इस समय के दौरान जलवायु सुखद होती है और आसपास का वातावरण अधिक सुंदर दिखता है। इसके अलावा, शहर का सबसे बड़ा त्योहार, 'नारद जयंती' जनवरी में मकर संक्रांति के समय मनाया जाता है।

GOVT. RAMANUJ PRATAP SINGHDEO

P.G. COLLEGE BAIKUNTHPUR, KOREA (C.G.)

AFFILIATED TO- SANT GAHIRA GURU UNIVERSITY AMBIKAPUR SURGUJA (C.G.) 497001

B
NAAC

Department of Commerce

Presents

COMMERCE EXHIBITION

Organised By

COMMERCE CLUB

Comme₹ce Club

THE COMMERCE LAB

Two Days Commerce Exhibition

Date : 20th & 21st Feb 2024
Time : 12:00 pm
Venue: Digital Library

Chairman & Patron
Dr. A.C. Gupta
Principal

Convener
Dr. (SMT) Priti Gupta
H.O.D.Dept. of Commerce

Panel of Judges : -

Sh. Dhirendra Kumar jaiswal
Asstt. Prof. commerce ,
Govt. Naveen college Chandni
Biharpur, distt. Surajpur ,C.G.

Ms. Smriti Agrawal
Asstt. Prof.
H.O.D. Dept. of Commerce
Govt. Vivekanand PG College,
Manendragarh District- MCB
C.G.

Dr. Vinod Kumar Sahu
Asstt. prof. Commerce
Govt. Naveen Girls College
Surajpur C.G.

About the exhibition :-

To Instill practical knowledge and basic understanding of commerce subject the Department of commerce presents commerce exhibition organised by commerce club. This two day exhibition help to facilitate personality development by involving students in practical understanding of the subject, it will help the students and faculties to interact with each other which will help in learning process. The exhibition will be beneficial for students involved in such activities as they will get motivated in learning abilities. They will learn work in group with coordination. It will enable students to develop "off the skills" expected from commerce students.

Topics to be Covered :

- Commerce city
- Sugar Factory
- Aids to trade
- Sectors of Indian Economy
- Balance sheet
- Waste Management and Recycling
- Types of Insurance
- State Bank of India
- Evolution of money
- Distribution Channel
- Paper mill
- Smart city with change in market concept
- Goods and service tax

  Bank of India

Program :-

Day One 20 Feb, 2024

- **Inauguration**
- **Short introduction of the event**
- **Lighting the Lamp**
- **Welcome of the guests**
- **HOD's Speech**
- **Presidential address**
- **Judgement session**
- **Address by guests**
- **Vote of Thanks**

Program :-

Day Two 21 Feb, 2024

Visit of Higher Secondary Schools(Students and Staff)

Visit of other colleges (Students and Staff)

- Short introduction of the event
- Lighting the Lamp
- Welcome of the guests
- HOD's Speech
- Presidential address
- Address by guests
- Vote of Thanks

Organizing Team :-

Faculty Coordinators

Smt. Neelam Goyal
Smt. Rajni Agrawal
Ku. Pragya Baid

&

Commerce Club

Govt. Ramanuj Pratap Singhdeo P.G. College
Baikunthpur, Korea(C.G.)

Department Of Commerce

To,

The Additional Director,
Jila Resham Vibhag,
Baikunthpur, Korea(C.G.).

Subject: Seeking permission to visit a sericulture farm, Salka.

Sir,

It is kindly requested to you for an arrangement of an educational field visit to your sericulture farm. I am writing this letter on behalf of the department of commerce, Govt. Ramanuj Pratap Singhdeo P.G. college, Baikunthpur, korea(C.G.) in order to seek your permission to conduct an educational field visit on Friday, 24th November.

There would be approximately 110 visitors including 6 faculty members. This visit would help our students to gain practical knowledge with a better understanding of various concepts related to sericulture process which relates to commerce and economy. This visit will also help our students to know business opportunities related to sericulture. We intend to take a round of the entire farm and show the tasks handled in the farm and collect some data.

We hope your response shall be in favor of this request. Kindly grant us permission for the educational study visit and oblige.

Regards

21.11.23

Dr. Priti Gupta
HOD commerce
Govt. Ramanuj Pratap
Singhdeo P.G. College,
Baikunthpur, Korea(C.G.).

Principal
Dr. A.C. Gupta
Govt. Ramanuj Pratap Singhdeo
P.G. College , Baikunthpur

The Principal,
Govt. Ramanuj Pratap Singhdeo P.G. College
Baikunthpur, Distt. Korea C.G.

Subject: Seeking permission for educational tour (Industrial visit)

Respected Sir,

I am writing this letter on the behalf of the department of commerce Govt. Ramanuj Pratap Singhdeo P.G. College Baikunthpur, Distt. Korea C.G. in order to seek your permission for the educational field visit to JILA RESHAM VIBHAG BAIKUNTHPUR KOREA (C.G.), Salka. The visit would be on 24th November 2023. This visit would help our students to gain practical knowledge with a better understanding of various concepts related to sericulture process which relates to commerce and economy. This visit will also help our students to know business opportunities related to sericulture.

I ensure that the student will maintain the decorum of the institution. Hence, I am eagerly waiting for your positive response so that I can confirm the visit.

Dated

20.11.2023

Regards

Dr.(Mrs.)Priti Gupta
HOD Commerce
Govt. Ramanuj Pratap Singhdeo P.G. College
Baikunthpur, Distt. Korea C.G.

PRINCIPAL
Govt.R.P.S.Dev P.G.College
Baikunthpur, Korea (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया (छ.ग.)

क्रमांक / 458 / स्था. / 2023 बैकुण्ठपुर, दिनांक 22/11/2023

प्रति,

विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग,
शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, जिला–कोरिया (छ.ग.)

विषय :– **शैक्षणिक भ्रमण हेतु अनुमति बावत्।**

—000—

विषयान्तर्गत लेख है कि बी.कॉम प्रथम वर्ष, एम.कॉम प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के द्वारा शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत जिला रेशम विभाग बैकुण्ठपुर जिला कोरिया छ.ग. का भ्रमण किया जाना है।

इस हेतु अनुमति प्रदान की जाती है।

प्राचार्य
शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव
स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैकुण्ठपुर
कोरिया (छ.ग.)

कार्यालय सहायक संचालक रेशम, जिला कोरिया (छ0ग0)
दूरभाष क्रमांक– 07836–233103
Email Id – Adsericulture2012@gmail.com

क्रमांक:– /तक0/स0सं0रे0/2023–24, 537 बैकुन्ठपुर दिनांक 22/11/2023

प्रति,

Dr. Priti Gupta,
HOD commerce
Govt. Ramanuj Pratap
Singhdeo P.G. College,
Baikunthpur, Korea (C.G.)

विषय :– फिल्ड विजिट करने के संबंध में।

......

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि आपके द्वारा रेशम केन्द्र सलका का विजिट हेतु पत्र प्रेषित किया गया है, अतः आप जिले में संचालित रेशम केन्द्र सलका का दिनांक 24.11.2023 को निरीक्षण एवं विजिट कर सकते है, जिसके के लिए फिल्ड आफिसर श्री रामप्रताप राजवाडें के द्वारा फिल्ड विजिट से संबंधित जानकारी दिया जायेगा।

सहायक संचालक रेशम
जिला–कोरिया (छ0ग0)

पृ.क्रमांक :– /तक0/स0सं0रे0/2023–24, बैकुन्ठपुर दिनांक / /23
प्रतिलिपि :–

श्री रामप्रताप राजवाडे (फिल्डमेन) जिला–कोरिया (छ0ग0) की ओर सूचनार्थ।

सहायक संचालक रेशम
जिला कोरिया (छ0ग0)

Meeting Conducted with officials staff of JILA RESHAM VIBHAG SALKA BAIKUHTHPUR

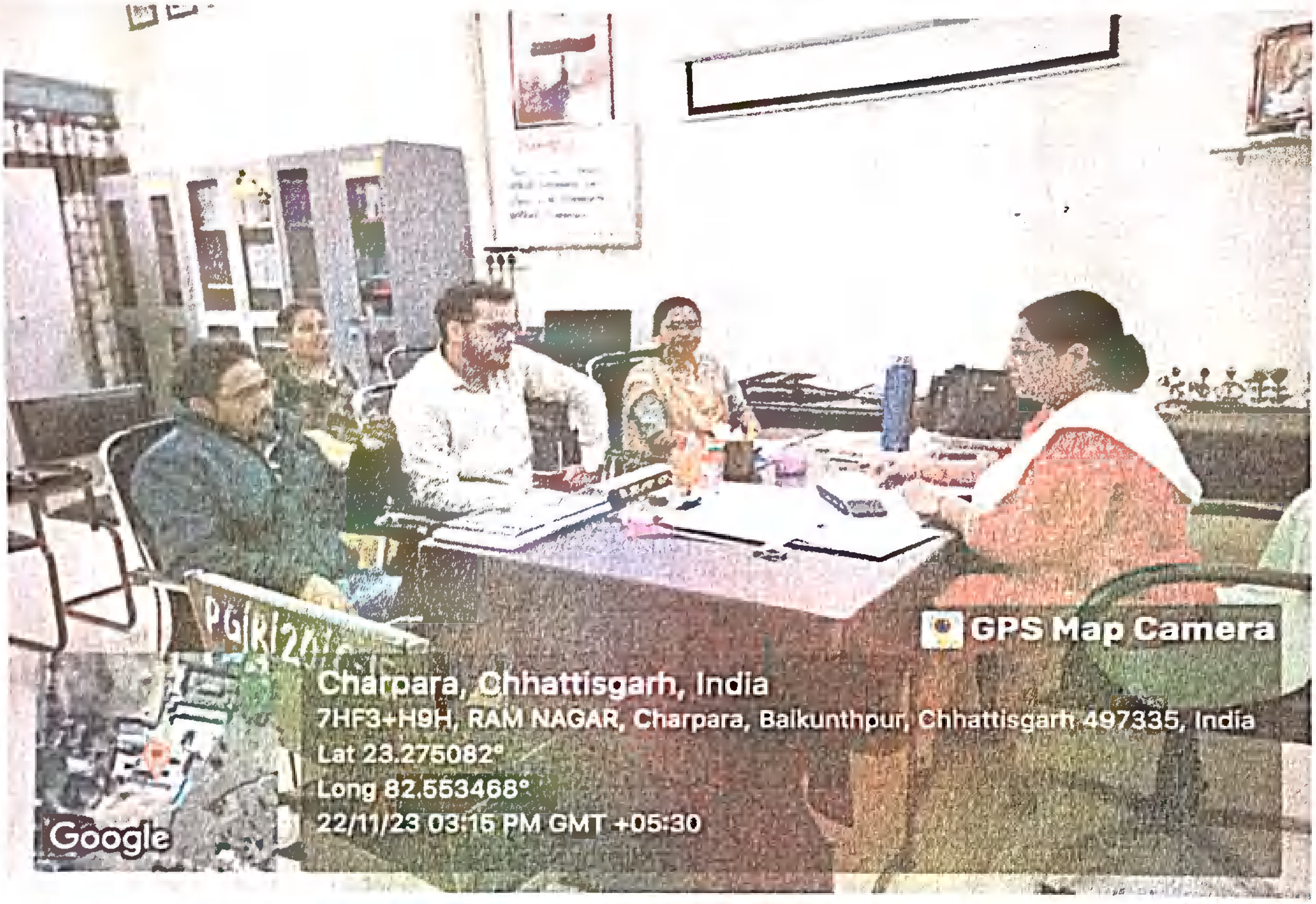

Collection Room of Cocons for cosa thread Production

Resham thread making machine

Department of Commerce

Presents

Commerce Exhibition

Day Two-21 Feb. 2024

Session-2023-24

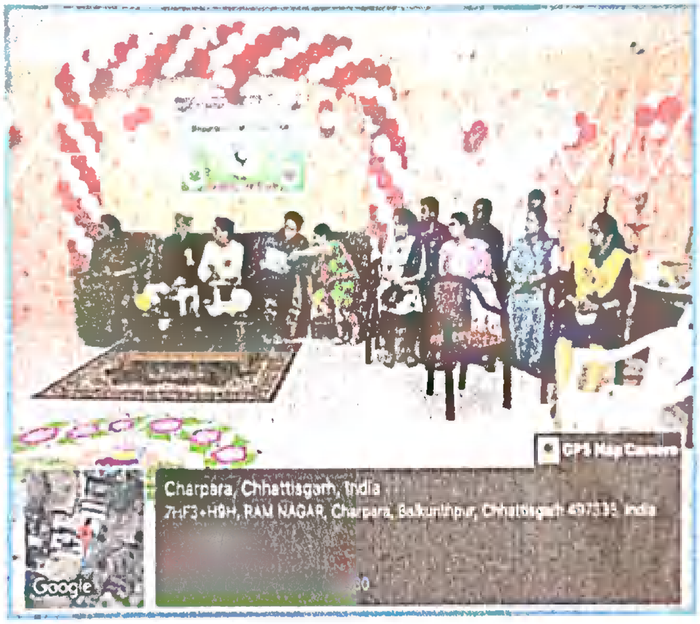

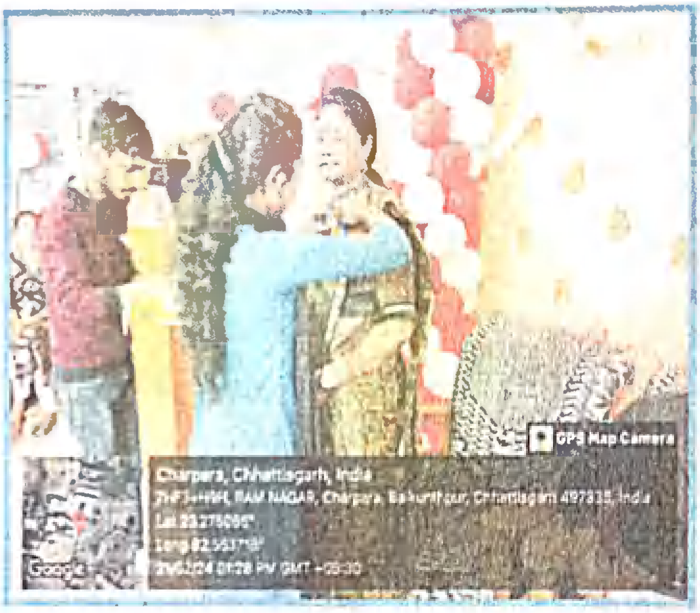

Department of Commerce

Presents

Commerce Exhibition

Day One-20 Feb. 2024

Session-2023-24

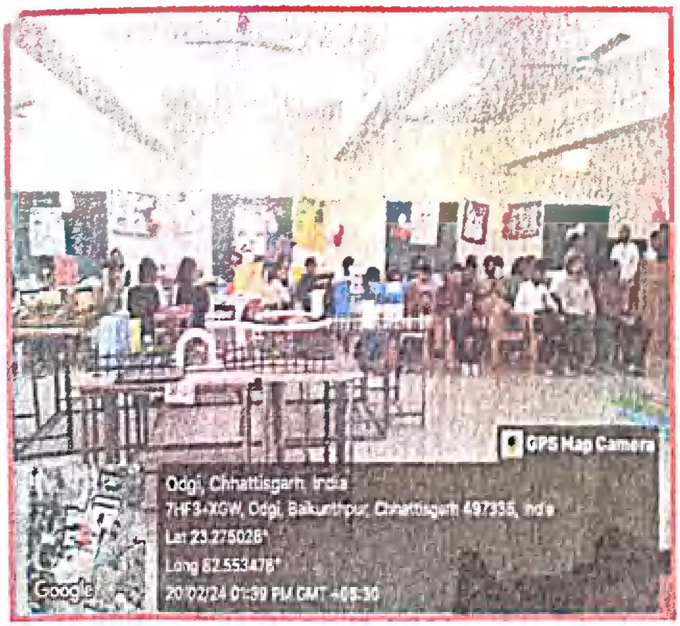

Essay Competition
Mudra Ka Itihas 2023-24

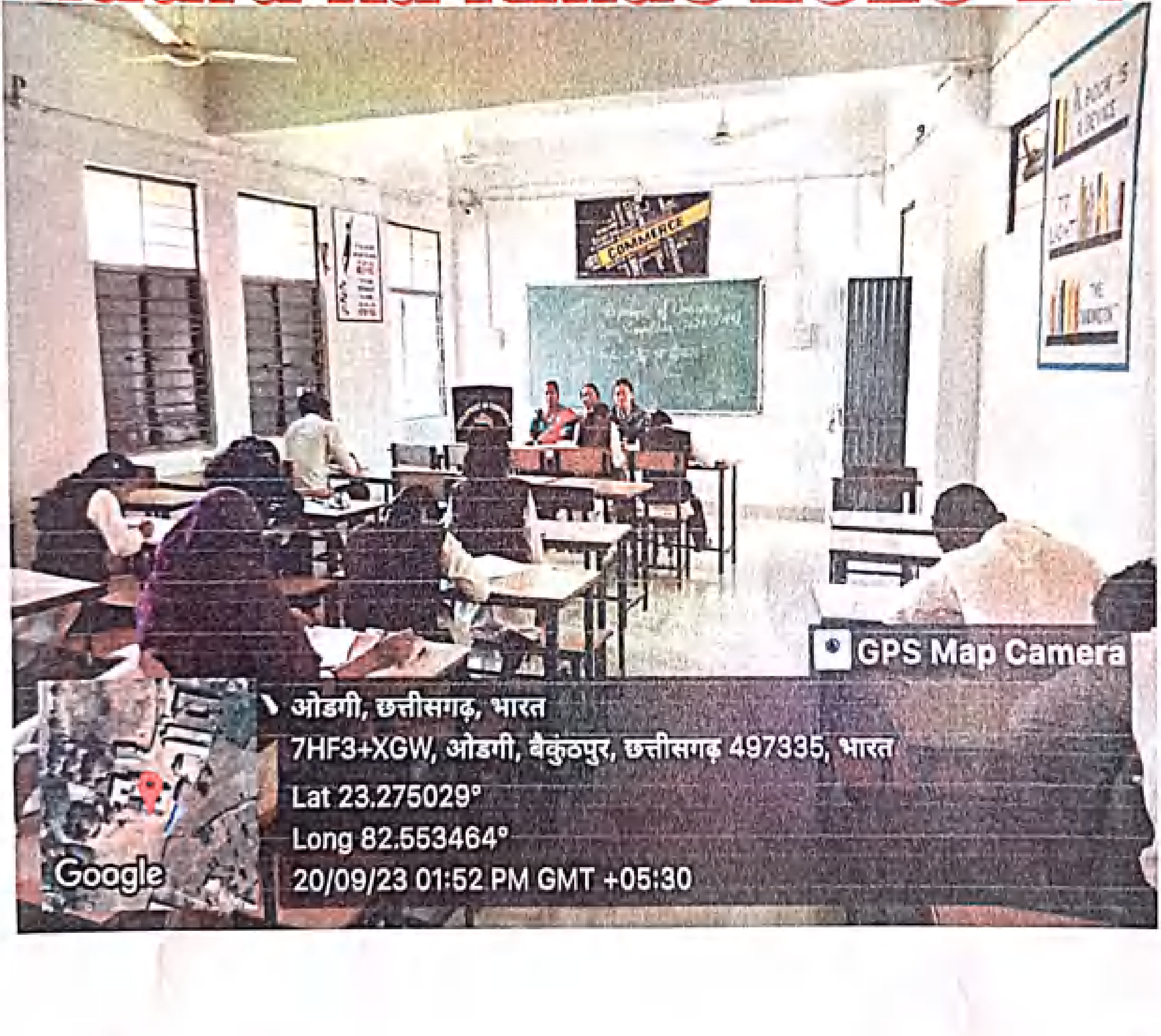

QUIZ COMPETITON 2023-24

GOVT.RAMANUJ PRATAP SINGHDEO P. G. COLLEGE
BAIKUNTHPUR KOREA (C.G.) 497335

AFFILIATED TO – SANT GAHIRA GURU UNIVERSITY AMBIKAPUR SURGUJA (C.G.) 497001

You're invited to join our

Commerce Exhibition

20th & 21st February 2024

Time – 12:00 P.M.

Venue – Digital Library
Govt. R.P.S. P.G.
College, Baikunthpur

Department Of Commerce

Presents

Commerce Exhibition

Where knowledge is applied and dreams realised

Organized By

Comme₹ce Club

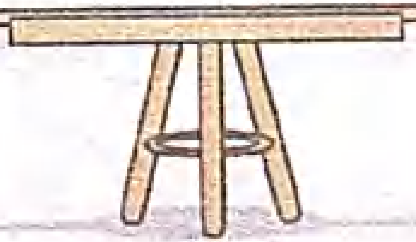

Chairman & Patron -
Dr. A.C. Gupta
Principal

Coordinator-
Dr. (Smt.) Priti Gupta
H.O.D Dept. Of Commerce
7999734979

Pratap Singhdeo P.G. College
Korea (C.G.)
Department of Commerce
Presents
Commerce Exhibition

है। इससे उन्हें साथ बैंक में स्टाफ नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोजाना किसानों को करीब एक करोड़ रुपए

रामानुजनगर, ..., राजपुर, कुसमी व शंकरगढ़ में सहकारी बैंक है। ग्रामीणों को चेक बुक के साथ एटीएम भी दिया गया है।

एटीएम में भरपूर मात्रा में पैसा है। उधर, बैंक में कैश कम होने के कारण किसानों को सीमित मात्रा में ही पैसा दिया जा रहा है।

... को पता चला कि यह घर आया है। इसके बाद पुलिस ने दबिश दी और आरोपी को गिरफ्तार किया।

... जांच की टीम ने ... अक्टूबर 2023 को ब्लड सेंटर का निरीक्षण कर में शोभा ब्लड सेंटर को तत्काल प्रभाव से सभी गतिविधियों

कार्यक्रम • रामानुज प्रताप सिंहदेव पीजी कॉलेज में वाणिज्य विभाग ने कॉमर्स प्रदर्शनी का आयोजन किया

मॉडल से कॉमर्स के सैद्धांतिक पहलुओं को समझाया

भास्कर न्यूज | बैकुंठपुर

शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव पीजी कॉलेज में वाणिज्य विभाग ने कॉमर्स प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉमर्स के सैद्धांतिक पहलुओं को मॉडल के द्वारा व्यवहारिक रूप में समझाना था। साथ ही विद्यार्थियों में सृजन क्षमता का विकास करना था। इसमें बीकॉम, एमकॉम के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शनी की शुरुआत प्राचार्य डॉ. एसी गुप्ता ने की। इस दौरान वाणिज्य विभाग की एचओडी डॉ. प्रीति गुप्ता, शासकीय विवेकानंद पीजी कॉलेज मनेंद्रगढ़ से वाणिज्य विभाग एचओडी सहायक प्रो. स्मृति अग्रवाल, शासकीय नवीन गर्ल्स कॉलेज सूरजपुर से सहायक प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार साहू व अन्य स्टाफ मौजूद रहे। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने जीएसटी, व्यवसायिक पर्यावरण, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, एकाउंटिंग साइकिल, मुद्रा का विकास, ई-कॉमर्स समेत अन्य मॉडल का प्रदर्शन किया। प्राचार्य डॉ. एसी गुप्ता ने कहा कि प्रदर्शनी में छात्रों ने रचनात्मकता दिखाई है। प्राचार्य ने छात्रों के मॉडल की सराहना की। निर्णायक के रूप में शामिल सहायक प्रो. स्मृति अग्रवाल व डॉ. विनोद कुमार साहू ने छात्रों के मॉडल की सराहना की। वाणिज्य विभाग की एचओडी डॉ. प्रीति गुप्ता ने कहा कि वाणिज्य का क्षेत्र व्यापक है।

प्रदर्शनी का निरीक्षण करते निर्णायक व विभागाध्यक्ष।

प्रदर्शनी के आयोजन से विषय की सूक्ष्मता की समझ बढ़ती है। विभाग द्वारा लगातार दूसरे साल छात्र-छात्राओं के लिए यह प्रयास किया गया है। प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं द्वारा रोचक मॉडल भी पेश किए।कॉलेज में करीब 50 प्रदर्शनी लगाई गई थी।

विद्यार्थियों ने इन विषयों पर बनाए अपने मॉडल

छात्र-छात्राओं ने कॉमर्स सिटी, शुगर फैक्ट्री, एड्स टू ट्रेड, सेक्टर ऑफ इंडियन इकॉनामी, बैलेंस शीट, वेस्ट एण्ड रिसायकलिंग मैनेजमेंट, इंश्योरेंस के प्रकार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पेपर मिल, स्मार्ट सिटी, गुड्स एण्ड सर्विस टैक्स बैंक ऑफ इंडिया पर प्रोजेक्ट तैयार किए थे। इस दौरान वाणिज्य विभाग से नीलम गोयल, रजनी अग्रवाल, प्रज्ञा बघ व अन्य कॉलेज के अन्य विभागाध्यक्ष स्टाफ मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ का पहला कॉमर्स लैब पीजी कॉलेज में::वाणिज्य प्रदर्शनी का आयोजन

अनूप बड़ेरिया

छत्तीसगढ़ का पहला कॉमर्स लैब शासकीय रामानुज प्रताप सिंहदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कॉलेज बैकुंठपुर में पहली बार वाणिज्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें स्टूडेंट्स को वित्तीय साक्षरता, उद्यमशीलता के गुण सहित शेयर मार्केट निवेश-ट्रेडिंग की प्रैक्टिकल के बारे में जानकारी दी गई। इस वाणिज्य प्रदर्शनी लैब को तैयार करने में शिक्षक-स्टूडेंट व कॉलेज स्टाफ का योगदान रहा।

हिंदी में खोजें छत्तीसगढ़ कॉमर्स लैब

etvbharat.com
www.etvbharat.com

छत्तीसगढ़ का पहला कॉमर्स लेब पीजी कॉलेज बैकुंठपुर में खुला

10-Nov-2022 — ... लेब पीजी कॉलेज बैकुंठपुर में खुल (first commerce lab opened in PG College Baikunthpur) गया है.

You visited this page on 25/5/23.

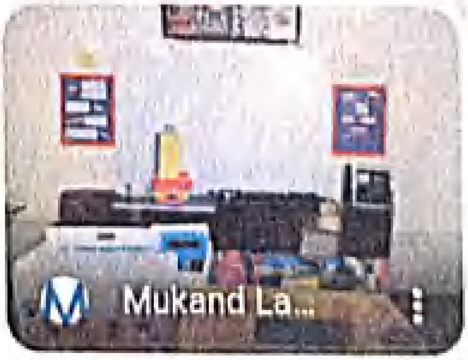

patrika.com
https://www.patrika.com › Koria

छत्तीसगढ़ का पहला कॉमर्स लैब तैयार, शेयर